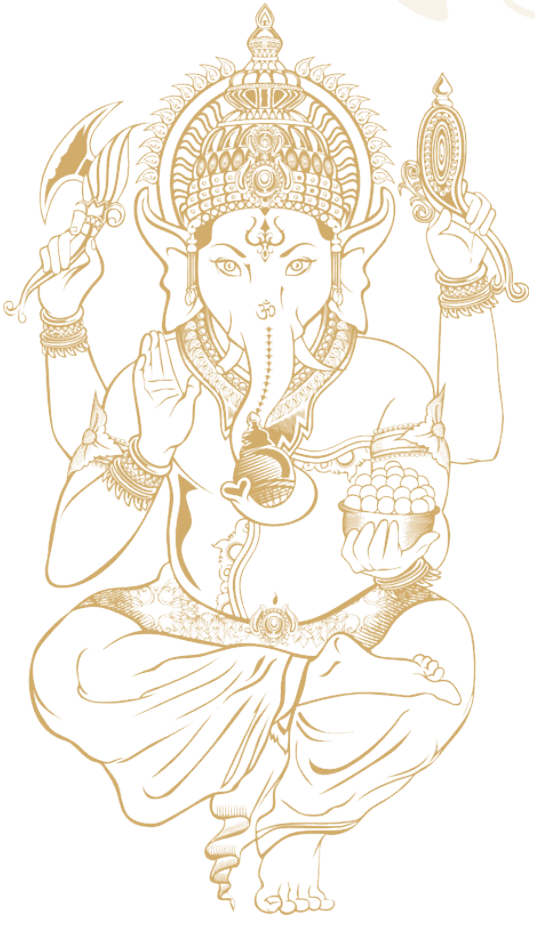

Sumit yadev

22 Sep 1996

10:27 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 120903302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/09/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:27:00 घंटे**
इष्ट	41:20:00 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:20:36 घंटे
वेलान्तर	00:07:18 घंटे
साम्पातिक काल	22:27:55 घंटे
सूर्योदय	05:55:00 घंटे
सूर्यास्त	18:02:43 घंटे
दिनमान	12:07:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:08:42 कन्या
लग्न के अंश	26:28:21 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	26:28:21	346:57:21	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कन्या	06:08:42	00:58:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			मक	05:45:39	14:31:16	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	14:09:55	00:36:43	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध	व	अ	सिंह	26:29:57	00:37:57	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			धनु	14:34:58	00:03:35	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	23:09:24	01:07:21	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	10:28:22	00:04:40	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:12:51	00:00:32	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:12:51	00:00:32	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	06:57:13	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	01:13:04	00:00:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:02:08	00:01:24	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	11:20:07	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:43

लग्न-चलित

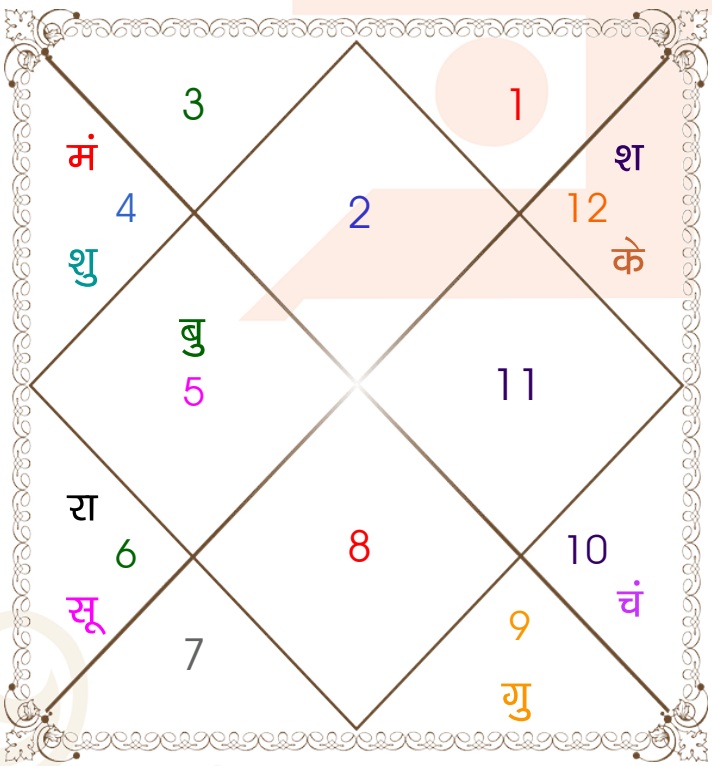

चन्द्र कुंडली

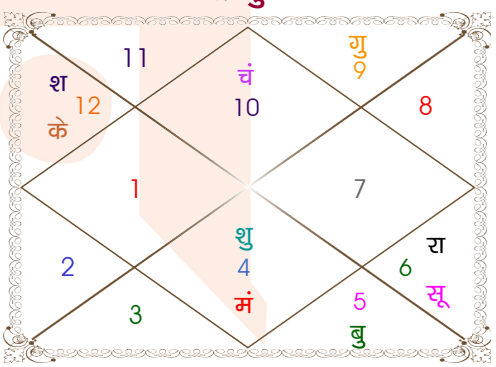

नवमांश कुंडली

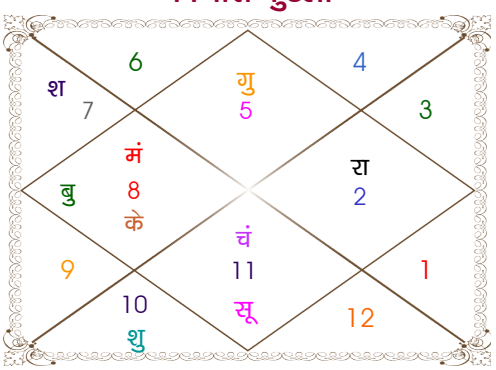

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 10 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/09/1996		20/08/1998		20/08/2008		20/08/2015		20/08/2033	
20/08/1998		20/08/2008		20/08/2015		20/08/2033		20/08/2049	
	00/00/0000	चंद्र	21/06/1999	मंगल	16/01/2009	राहु	03/05/2018	गुरु	08/10/2035
	00/00/0000	मंगल	20/01/2000	राहु	03/02/2010	गुरु	25/09/2020	शनि	20/04/2038
	00/00/0000	राहु	20/07/2001	गुरु	10/01/2011	शनि	02/08/2023	बुध	26/07/2040
	00/00/0000	गुरु	19/11/2002	शनि	19/02/2012	बुध	19/02/2026	केतु	02/07/2041
	00/00/0000	शनि	20/06/2004	बुध	15/02/2013	केतु	09/03/2027	शुक्र	02/03/2044
	22/09/1996	बुध	19/11/2005	केतु	14/07/2013	शुक्र	09/03/2030	सूर्य	19/12/2044
बुध	14/04/1997	केतु	20/06/2006	शुक्र	14/09/2014	सूर्य	01/02/2031	चंद्र	20/04/2046
केतु	20/08/1997	शुक्र	19/02/2008	सूर्य	19/01/2015	चंद्र	01/08/2032	मंगल	27/03/2047
शुक्र	20/08/1998	सूर्य	20/08/2008	चंद्र	20/08/2015	मंगल	20/08/2033	राहु	20/08/2049

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/08/2049		20/08/2068		20/08/2085		20/08/2092		21/08/2112	
20/08/2068		20/08/2085		20/08/2092		21/08/2112		00/00/0000	
शनि	23/08/2052	बुध	16/01/2071	केतु	16/01/2086	शुक्र	20/12/2095	सूर्य	08/12/2112
बुध	03/05/2055	केतु	14/01/2072	शुक्र	18/03/2087	सूर्य	19/12/2096	चंद्र	09/06/2113
केतु	11/06/2056	शुक्र	13/11/2074	सूर्य	24/07/2087	चंद्र	20/08/2098	मंगल	15/10/2113
शुक्र	11/08/2059	सूर्य	20/09/2075	चंद्र	22/02/2088	मंगल	20/10/2099	राहु	08/09/2114
सूर्य	23/07/2060	चंद्र	18/02/2077	मंगल	20/07/2088	राहु	21/10/2102	गुरु	28/06/2115
चंद्र	22/02/2062	मंगल	16/02/2078	राहु	08/08/2089	गुरु	21/06/2105	शनि	09/06/2116
मंगल	02/04/2063	राहु	04/09/2080	गुरु	15/07/2090	शनि	21/08/2108	बुध	23/09/2116
राहु	06/02/2066	गुरु	11/12/2082	शनि	23/08/2091	बुध	22/06/2111		00/00/0000
गुरु	20/08/2068	शनि	20/08/2085	बुध	20/08/2092	केतु	21/08/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।